

CORRIGENDUM
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
BUILDING AND ROADS BRANCH
BHIWANI CIRCLE
 The 28th July, 1987

The khasra No. of notification no. Z-42-A/IV/524N dated 30th January, 1987 of the road constructing Dancholi to village Dhani Bamanwas road in tehsil Narnaul, district Mohindergarh published in *Haryana Government Gazette* on 3rd March, 1987 at page 723 may be read as under:—

K. No. 21 K. No. 20, 21, 22 K. No. 28 K. No. 1 Khasra No. 67, 92, of village Dancholi-276 instead of M. No. 21 M. No. 20, 21, 22 M. No. 28 K. No. 1 khasra 67, 92 of village Dancholi-276.

Khasra No. of notification No. Z-42-A/IV/513-N, dated 30th January, 1987 for constructing a road from Nathuwala Mohalla to Chamdhera approach road in Tehsil and District Mohindergarh published in *Haryana Government Gazette* on 24th February, 1987 at page 630-31, may be read in 5th line as under:—

M. No. 51 K. No. 5/1, 5/2, 6, 15 instead of M. No. 51 K. No. 5/1, 5/2, 6/15

Notification No. Z-42A/IV/478-N, dated 26th November, 1986 for constructing a road Mohindergarh Satnali Badhra Jui road to village Khairia published in *Haryana Government Gazette* on 9th December, 1986 at page 3228 may be read as under:—

1. In 2nd and 3rd line namely constructing Mohindergarh Satnali Badhra Jui road to village Kharia instead of namely constructing M. Garh Satnali Badhra jui road to village Khairia.
2. Khasra No. published in col. 5 in fourth line may be read as 6/2, 15, 16, 26 instead of 6/2, 15, 16, 25.

(Sd.)

Superintending Engineer,
Bhiwani Circle, P.W.D., B.&R. Branch.

DEVELOPMENT AND PANCHAYAT DEPARTMENT

The 23rd July, 1987

No. 3373-2ECD1-87/6240.—Shri Maha Singh, Block Development and Panchayat Officer, Narnaul is retired from Government Service with effect from 31st July, 1987 (A. N) on attaining the age of superannuation i. e. 58 years.

L. M. GOYAL,
Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Development and Panchayat Department.

Chandigarh, dated the 16th July, 1987

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 3 जुलाई, 1987

सं० ओ० वि० एफ.डी. /गुड़गांव/66-87/26069.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मं. मासुति उद्योग लि., पालम गुड़गांव रोड़, गुड़गांव के श्रमिक श्री विजेन्द्र पाल, पुत्र श्री चन्द्र भान मार्फत मासुति उद्योग मजदूर सभा, मकान नं० 459, सैक्टर-17, गुड़गांव तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री विजेन्द्र पाल, टैकनिशियन की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

आर० एस० अग्रवाल,
उप-सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम विभाग।